Selection of JUIT Students in Prestigious Universities of U.S.

Reinforcing its commitment to international academic collaboration and research-driven learning, Jaypee University of Information Technology (JUIT), Waknaghat, has marked another milestone as its students secured opportunities at prestigious universities in the United States through accelerated master’s and student exchange initiatives.

Under the newly introduced Accelerated Master’s Program with the South Dakota School of Mines and Technology (SD Mines), USA, JUIT B.Tech. students can now transition seamlessly from their undergraduate studies into a fast-track master’s degree. The initiative allows meritorious students to begin research during the eighth semester, undertake advanced coursework, and benefit from potential tuition fee coverage. As part of this collaboration, Pragati Pandey from Delhi and Nidhi Kapatia from Amritsar, both Biotechnology students from the Department of Biotechnology and Bioinformatics, have joined the laboratory of Prof. Rajesh Sani, Distinguished Professor and Director (MASON) at SD Mines, gaining valuable international research exposure.

In another significant achievement, Satvik from Mandi, Himachal Pradesh, a final-year B.Tech. Computer Science Engineering student, has joined the University of Florida under the Student Exchange Program. The accomplishment reflects JUIT’s growing global academic engagement and emphasis on experiential learning.

The initiative has been made possible through the visionary leadership of CEO Mr. Manu Bhaskar Gaur and Vice Chancellor Prof. Rajendra Kumar Sharma, whose focus on internationalization continues to open new academic pathways for students. Congratulating the achievers, Prof. Sudhir Kumar, Dean (Research & Internationalization), highlighted that such collaborations not only enhance academic excellence but also prepare students for global research and innovation ecosystems.

With these developments, JUIT continues to position itself as a hub of global learning, fostering international exposure, interdisciplinary research, and academic excellence among its students.

जेपी यूनिवर्सिटी के छात्र अमरीकी विश्व विद्यालयों में चयनित

सवेरा न्यूज/कास.

नई दिल्ली, 10 फरवरी : वाकनाघाट स्थित जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इंफॉर्मेशन टैक्नोलॉजी ने अमरीका के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के साथ अपनी दीर्घकालिक साझेदारी को और सशक्त बनाते हुए छात्रों के लिए वैश्विक शैक्षणिक अवसरों के नए द्वार खोले हैं। विश्वविद्यालय की साऊथ डकोटा स्कूल ऑफ माइंस एंड टैक्नोलॉजी और फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के साथ सक्रिय भागीदारी के तहत छात्र त्वरित मास्टर एवं एक्सचेंज प्रोग्राम का लाभ उठा रहे हैं। जेयूआईटी के बीटेक छात्र अमरीका में अपना अंतिम सैमेस्टर पूरा करने के साथ ही सीधे मास्टर डिग्री में प्रवेश पा रहे हैं। कार्यक्रम के तहत जैव प्रौद्योगिकी विभाग की छात्राएं प्रगति पांडे (दिल्ली) और निधि

कपाटिया (अमृतसर) ने एसडी माइंस में प्रो. राजेश सानी के मार्गदर्शन में शोध कार्य प्रारंभ किया है। कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष के छात्र सात्विक (मंडी, हिमाचल प्रदेश) का चयन फ्लोरिडा विश्वविद्यालय में छात्र विनिमय कार्यक्रम के लिए हुआ है। विश्वविद्यालय के सीईओ मनु भास्कर गौर और कुलपति प्रो. राजेंद्र कुमार शर्मा के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीयकरण की यह पहल छात्रों को वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी का वैश्विक शैक्षणिक सहयोग और मजबूत

बीटेक छात्र अमेरिका में कर सकते हैं मास्टर डिग्री

हिमाचल दस्तक ▮ सोलन

जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (जेयूआईटी) वाकनाघाट अमेरिका के साउथ डकोटा स्कूल ऑफ माइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसडी माइंस) और फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के साथ अपनी दीर्घकालिक साझेदारी के माध्यम से वैश्विक शैक्षणिक सहयोग को लगातार सशक्त बना रहा है। एसडी माइंस के साथ नवगठित त्वरित मास्टर कार्यक्रम के तहत जेयूआईटी के बीटेक छात्रों को अब न केवल अमेरिका में आठवां सेमेस्टर पूरा करने का अवसर मिल रहा है, बल्कि वे सीधे मास्टर डिग्री में भी प्रवेश कर सकते हैं। यह कार्यक्रम चयनित एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को बीटेक के अंतिम सेमेस्टर के दौरान ही शोध प्रारंभ करने, उन्नत पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने तथा ट्यूशन फीस में छूट के लिए पात्र बनाता है। इस पहल के अंतर्गत जेयूआईटी के जैव प्रौद्योगिकी एवं जैवसूचना विज्ञान विभाग की बीटेक जैव प्रौद्योगिकी की छात्राएं प्रगति पांडे (दिल्ली) और निधि कपाटिया (अमृतसर) ने एसडी माइंस में विशिष्ट प्रोफेसर एवं निदेशक (मेसन) प्रोफेसर राजेश सानी की प्रयोगशाला में शोध कार्य प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से छात्रों को उन्नत शैक्षणिक अनुभव और शोध-उन्मुख प्रशिक्षण प्रदान करना है। एक अन्य उपलब्धि के रूप में जेयूआईटी के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग के अंतिम वर्ष के बीटेक छात्र सात्विक (मंडी) ने छात्र विनिमय कार्यक्रम के तहत फ्लोरिडा विश्वविद्यालय में प्रवेश प्राप्त किया है, जिससे विश्वविद्यालय की वैश्विक शैक्षणिक उपस्थिति और सुदृढ़ हुई है। विश्वविद्यालय के सीईओ मनु भास्कर गौर और कुलपति प्रोफेसर राजेंद्र कुमार शर्मा की अंतरराष्ट्रीयकरण के प्रति दूरदर्शी सोच और नेतृत्व ने इन पहलों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अवसर पर डीन (अनुसंधान एवं अंतरराष्ट्रीयकरण) प्रोफेसर सुधीर स्याल ने छात्रों को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी।

CMYK

जेपी यूनिवर्सिटी के तीन छात्र फ्लोरिडा विवि में कर रहे शिक्षा ग्रहण

दिव्य हिमाचल ब्यूरो–सोलन

जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (जेयूआईटी), वाकनाघाट, अमेरिका के साउथ डकोटा स्कूल ऑफ माइन्स एंड टेक्नोलॉजी (एसडी माइन्स) और फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के साथ अपनी दीर्घकालिक साझेदारी के माध्यम से अपने वैश्विक शैक्षणिक सहयोग को और मजबूत कर रहा है। एसडी माइन्स के साथ नवगठित त्वरित मास्टर कार्यक्रम के तहत, जेयूआईटी के बीटेक छात्रों को न केवल पहले की तरह अमेरिका में अपना आठवां सेमेस्टर पूरा करने का अवसर मिल रहा है, बल्कि वे सीधे मास्टर डिग्री में प्रवेश भी ले सकते हैं। यह कार्यक्रम चयनित और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को बीटेक के अंतिम सेमेस्टर के दौरान अपना शोध शुरू करने, उन्नत पाठ्यक्रम लेने और ट्यूशन फीस छूट के लिए पात्र होने में सक्षम बनाता है। इस पहल के तहत, जेयूआईटी के जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान विभाग की बीटेक जैव प्रौद्योगिकी की छात्राएं प्रगति पांडे (दिल्ली) और निधि कपाटिया (अमृतसर) एसडी माइन्स में विशिष्ट प्रोफेसर और निदेशक (मेसन) प्रोफेसर राजेश सानी की प्रयोगशाला में शामिल हुईं। सीईओ मनुभास्कर गौड़ और कुलपति प्रोफेसर राजेंद्र कुमार शर्मा की अंतर्राष्ट्रीयकरण के प्रति गहरी रुचि और दूरदर्शी नेतृत्व ने इस पहल को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डीन (अनुसंधान एवं अंतर्राष्ट्रीयकरण) प्रोफेसर सुधीर स्याल ने छात्रों को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी।

सोलन : जेपी विवि के तीनों छात्र